विशेष प्रार्थना निवेदन

बाइबल अनुवाद कार्य

◊ मरकुस और प्रेरितों के काम का प्रकाशन शीघ्र किया जा सके।
◊ अनुवाद कार्य के लिये एक और योग्य व्यक्ति की आवश्यकता है।
◊ अनुवादकों व उनके परिवारों पर परमेश्वर की आशिष बनी रहे।

गीत रचना कार्य

◊ प्रभु, मेवाड़ मसीह मंडली को स्थानीय स्वामित्व के प्रति उत्साहित करे व इसके लिये सामर्थ प्रदान करे।
◊ मेवाड़ी व वागड़ी क्षेत्र से, स्थानीय भाषा में गीतों को तैयार करने वाले और भी लोग सामने आ सकें व स्थानीय वाद्य-यंत्र बजाने वाले नेतृत्व ले सकें।
◊ मसीही गीत, कहानी, संदेश, इत्यादि की एक विडियो और एक ऑडियो डी. वी.डी. तैयार की जा सके।

कहानी सीखो-कहानी सुनाओ कार्य

◊ मेवाड़ी व वागड़ी क्षेत्र में मातृ-भाषी कहानियों के द्वारा प्रभु का वचन फैलाया जा सके।
◊ कहानी से वचन सीखने व सिखाने के कार्य में यहाँ की सभी कलीसियाएँ शामिल हों।

कलीसिया के द्वारा साक्षरता कार्य

◊ मेवाड़ी व वागड़ी क्षेत्र में बाइबल आधारित साक्षरता कार्यक्रम शुरु किया जा सके।
◊ इसमें कार्य करने के लिये दो योग्य व्यक्ति उपलब्ध हो सकें।

2014

बड़ा दिन या क्रिसमस पर्व कई बार मसीहियों के लिए एक त्योहार के रूप में सिमटकर रह जाता है। लेकिन प्रभु यीशु का जन्म एक बात को दर्शाता है कि जब इन्सान आशा खो बैठता है वहाँ परमेश्वर की ओर से आशा के रूप में इस धरती पर यीशु मसीह को भेजा गया है। जब हम क्रिसमस मनाते हैं तो हम ये बात हमेशा याद रखें कि हमारे जीवन की हर निराशाओं, मुसीबतों और चुनौतियों के सामने प्रभु यीशु मसीह एक आशा प्रदान करते हुए हमारे निकट रहते हैं। यीशु मसीह का जन्म एक नई शुरुआत का संदेश है। एक आशा से भरी, परमेश्वर के साथ एक नई शुरुआत। प्रभु आपको इस नये वर्ष में नई शुरुआत और आशा में रहने के लिये मदद करे।

बड़ा दिन व नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ एवं अभिनन्दन

मेवाड़ मसी मण्डली
फ्लेट न - 1, फ्लोट न - 9, 10,
आर. के. पुरम, गिरिजा व्यास पेट्रोल
पम्प के पास, पोस्ट तितरड़ी,
उदयपुर, राजस्थान - 313001
mewari@rajasthaninitiative.org
www.mewar.co.in

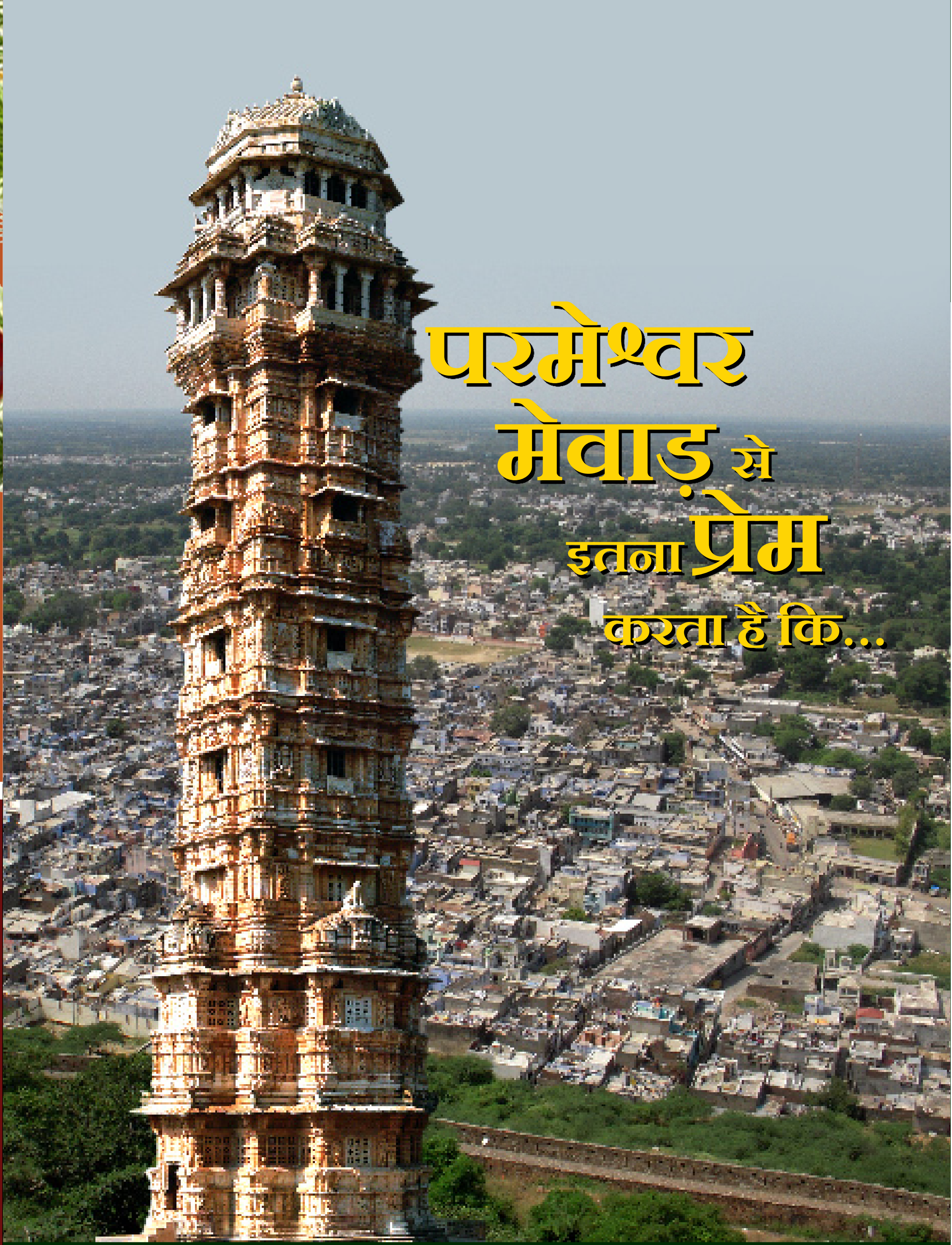

परमेश्वर मेवाड़ से इतना प्रेम करता है कि...

मेवाड़ी समाचार पत्र

मसीह में सब भाई बहनों को जय मसीह की !
राजस्थान में परमेश्वर अपने काम को और भी बड़ा रहा है इसके लिये परमेश्वर की महिमा हो। इसी के अन्तर्गत हम भी मेवाड़ी भाषा में बाइबल का अनुवाद कर रहे हैं और साथ में वागड़ी भाषा में भी कहानियों और गानों के द्वारा परमेश्वर पिता की सेवा में कार्यरत हैं और प्रभु हमारे समूह को इस्तेमाल कर रहा है।
एक दिन हमारे समूह के एक सदस्य के पास, जो कि पास्वान् भी हैं, प्रार्थना के लिए एक फ़ोन आया। हमने यह पाया कि उन्होंने यह फ़ोन नंबर पिछले साल छपे हुए एक पॉकेट कलेंडर से पाया था। पास्वान् ने उनके आग्रह पर निरंतर दो दिन तक प्रार्थना की और परमेश्वर ने उनके बच्चों को चँगाई प्रदान की। इस प्रकार परमेश्वर हमें छोटे-छोटे अवसरों में भी इस्तेमाल कर रहा है।

बाइबल अनुवाद कार्य

- नये नियम में चारों सुसमाचार, प्रेरितों के काम, गलातियों, इफ़िसियों, फिलिप्पियों एवं कुलुस्सियों और पुराने नियम में उत्तपत्ति, भजन संहिता 104 तक एवं योना का शुरुआती हिस्सा अनुवाद हो चुका है।
- मरकुस एवं प्रेरितों के काम की सलाहकार-जाँच की जाने के पश्चात् यह प्रकाशित होने के लिये तैयार हो रहा है।
- सुसमाचार-भाग की प्रति का अनुवाद हो चुका है।

गीत रचना कार्य

- दो बार संगीत समूह की सभा का आयोजन हुआ जिसमें पुराने गानों को इकट्ठा करने का निर्णय लिया गया और पिछले वर्ष 37 गानों को लिखकर मेवाड़ी-वागड़ी गीत की किताब में शामिल किया गया।

अन्य कार्य

- मेवाड़ी में एक वेबसाइट का निर्माण किया गया।
- मेवाड़ी व वागड़ी भाषा में कलेण्डर और पोस्टर भी तैयार किये गये।

सराड़ा में प्रभु के वचन से कहानी बनाने के लिये उत्साहित होते हुए वहाँ के लोग।

कहानी सीखो - कहानी सुनाओ कार्य

मई में सराड़ा में पॉस्वान् कालेब मसीह की कलीसिया में दो दिवसीय कहानी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें पॉस्वान् सहित 27 लोगों ने भाग लिया। इसमें उन्होंने 7 कहानियाँ और साथ में 4 गाने भी तैयार किए। वचन सीखने का यह तरीका उनके लिये आशिषमय रहा।

जून में गुड शेपर्ड केयर मिनिस्ट्रीज़ चर्च, उदयपुर में कहानी का एक दिवसीय कार्य प्रतिरूप (ओरियेन्टेशन) प्रस्तुत किया गया। इसमें वहाँ के विद्यालय के बच्चों सहित 15 लोगों ने भाग लिया। इसके द्वारा प्रतिभागियों ने पवित्रशास्त्र बाइबल से कहानी तैयार करना, उस पर मनन करना, और उसे अपनी सेवा में लागू करते हुए दुसरों तक पहुँचाना सीखा।

उदयपुर में प्रतिभागी छोटे समूह में कहानी बनाते हुए।

कलीसिया आधारित साक्षरता प्रशिक्षण कार्यक्रम (सी. बी. एल.)

कलीसिया आधारित साक्षरता प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य यह रहता है कि कलीसिया में यदि कुछ एसे विश्वासी हैं जो कि पढ़ना-लिखना नहीं जानते उन्हें साक्षर किया जा सके जिससे कि वे धाराप्रवाह बाइबल पढ़ सकें व समझ सकें। इस प्रशिक्षण की विशेषता यह है कि यह स्थानीय कलीसिया के उन लोगों को प्रदान किया जा सके जो कि पुन: स्वयं की कलीसिया में जाकर इसका लाभ दे सकें व अनपढ़ विश्वासियों को शिक्षित कर सकें। इसके लिये पहली बार, एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम मेवाड़ क्षेत्र में आयोजित किया गया। इस विषय में वहाँ पर राजस्थान की 4 भाषाओं से उपस्थित लोगों ने वचन आधारित पाठ्य सामग्री तैयार करना सीखा। वर्तमान में इस कार्य को वागड़ी व मेवाड़ी भाषा के साथ शुरू करने की योजना बनाई गई है।

सी. बी. एल. के दौरान तैयार की गई सामग्री